सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 228 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 27 सितम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

ज्ञान को लगातार सुधारना, चुनौती देना, और बढ़ाना होता है, नहीं तो वो गायब हो जाता है।

-पीटर ड्रकर

विपक्ष को एकजुट करने की कवायद... 7

यूपी में पूरे दमखम के साथ निकाय... 3

कल से होने वाले सपा के सम्मेलन... 2

पीएफआई पर शिकंजा, यूपी समेत आठ राज्यों में एनआईए की छापेमारी

टेरर फंडिंग मामले में जांच एजेंसी ने फिर की कार्रवाई, 200 कार्यकर्ता हिरासत में

» दिल्ली के शाहीन बाग में धारा 144 लागू, लखनऊ के कई इलाकों में छापे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टेरर फंडिंग मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पीएफआई पर अपना शिकंजा और कस दिया है। जांच टीमों ने आज फिर यूपी समेत देश के आठ राज्यों में स्थित पीएफआई के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। 200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है जबकि पचास पीएफआई के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली के शाहीन बाग में धारा 144 लगा दी गयी है। यूपी, दिल्ली, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात और असम में कार्रवाई की गई।

एनआईए की टीम ने यूपी के लखनऊ समेत कई जिलों में छापेमारी की है। बुलंदशहर, मेरठ, सीतापुर, शामली, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद में स्थित पीएफआई के ठिकानों पर कार्रवाई की गई और कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। कर्नाटक में बड़ी संख्या में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। यहां 75 से ज्यादा सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। इसमें एसडीपीआई का जिला प्रमुख भी शामिल है। गुजरात में दस और महाराष्ट्र व असम में 50 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार भी किया गया है। महाराष्ट्र में जिला अध्यक्ष, सचिव, खजांची को भी गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली में निजामुद्दीन, शाहीन बाग इलाके में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी हुई। कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। शाहीन बाग में धारा 144 लगाई गई है। बिहार में 15 सदस्यों को हिरासत में लिया है। वहीं एनआईए और एटीएस ने मध्य प्रदेश के इंदौर, उज्जैन, शाजापुर समेत सात जगहों पर छापेमारी की है। पीएफआई के सचिव यूसुफ और जिला कमेटी सदस्य सईद टेलर के यहां कार्रवाई की गई। इससे पहले एनआईए ने ईडी व अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर 22 सितंबर को पीएफआई के 93 ठिकानों पर रेड की थी। पीएफआई पर देश में आतंकी गतिविधियों में शामिल होने, युवाओं को आतंकी प्रशिक्षण देने, दंगे भड़काने आदि का आरोप है।

यूपी के कई शहरों में कार्रवाई, दस्तावेज जब्त

खाड़ी देशों से मिल रहा था चंदा

ईडी ने खुलासा किया है कि पीएफआई के हजारों सदस्य खाड़ी देशों में एक्टिव हैं जो संगठन के लिए धन जुटाने का काम करते हैं। इन पैसों को अबू धाबी के एक रेस्तरां से मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए भारत भेजा जाता था। मनी लॉड्रिंग के जरिए पिछले साल 120 करोड़ जुटाए गए थे। जांच में यह पता चला कि संगठन ने फर्जी दान रसीद बनाकर भारत में भी मनी लॉड्रिंग से धन जुटाया।

ध्वस्त किया जा रहा नेटवर्क, करेंगे कड़ी कार्रवाईः बृजेश पाठक

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा, पीएफआई के नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त किया जा रहा है। पूरे प्रदेश में सतर्कता बढ़ा दी गई है। लोग सर्विलांस पर हैं। किसी भी स्थिति में हम प्रदेश में गैर कानूनी गतिविधियों को अनुमति नहीं देंगे। कड़ी कार्रवाई करेंगे।

क्या है सीक्रेट दस्तावेज में

बरामद सीक्रेट दस्तावेज से पता चला है कि ये हिन्दुस्तान की सत्ता हासिल करना चाहते हैं। इसमें लिखा है कि 2047 में जब देश आजादी के 100 साल मना रहा होगा तब तक भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाना है। इस दस्तावेज में ये भी लिखा है कि 10 फीसदी मुस्लिम भी साथ दें, तो कायरों को घुटनों पर ला देंगे। इसके लिए इनके पास 4 लेयर का पूरा प्लान है। बिहार पुलिस ने 11 जुलाई को बिहार शरीफ में अतहर परवेज को गिरफ्तार किया तो पता चला कि वह पहले प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का सदस्य रहा है। उसने वहीं किराए के मकान में कई राज्यों से आए लोगों को ट्रेनिंग भी दी है।

शिंदे-उद्धव के शिवसेना के अधिकार पर बोला सुप्रीम कोर्ट

हम जल्द निपटाना चाहते हैं विवाद

» आज से कोर्ट की सुनवाई का सीधा प्रसारण हुआ शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में संविधान पीठों में होने वाली सुनवाई की आज से लाइव स्ट्रीमिंग शुरू हुई। अब सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जाकर सुनवाई का सीधा प्रसारण देखा जा सकता है। आज तीनों संविधान पीठों की सुनवाई का सीधा प्रसारण हुआ। इसकी शुरुआत आज उद्धव वर्सेस एकनाथ शिंदे केस से हुई। उद्धव गुट की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलील रखी।

उन्होंने कहा कि जब अयोग्यता का मामला पेंडिंग में है तो चुनाव आयोग सिंबल पर फैसला कैसे कर सकता है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, मैं चाहता हूं कि इस विवाद का जल्द निपटारा हो। हम यह देखना चाहते हैं कि स्पीकर के अधिकार क्षेत्र और चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में क्या कोई कंट्राडिक्शन है। इस पर अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि चुनाव आयोग में जिस व्यक्ति ने केस दाखिल किया है, वह शिवसेना का सदस्य ही नहीं है। गौरतलब है कि शिवसेना के सिंबल को लेकर शिंदे और उद्धव गुट ने अपना-अपना दावा किया है।

राजस्थान संकट पर मंथन, गहलोत गुट के खिलाफ एक्शन ले सकता कांग्रेस हाईकमान

सोनिया से मिलने पहुंचे मिस्त्री, रिपोर्ट पेश करेंगे खड़गे और माकन

» अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए कई नाम और आ सकते हैं सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले सीएम की कुर्सी को लेकर राजस्थान में मचे घमासान पर पार्टी आलाकमान गंभीर है। इस मामले में आज दिल्ली में मंथन किया जा रहा है। माना जा रहा है कि आब्जर्वर अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे की रिपोर्ट के बाद कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी गहलोत गुट के खिलाफ कड़ा एक्शन ले सकती हैं।

जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बहिष्कार और उसके बाद हुए घटनाक्रम को अनुशासनहीनता माना गया है। इस पर चर्चा के लिए आज सोनिया गांधी के आवास पर अंबिका सोनी, गिरिजा व्यास, राजीव शुक्ला जैसे नेता पहुंचे हैं। रिपोर्ट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके गुट के विधायकों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। वहीं मधुसूदन मिस्त्री ने सोनिया से मुलाकात की। अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए कुछ और नाम सामने आ सकते हैं।

हाईकमान के फैसले का इंतजार कर रहे पायलट

समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि सचिन पायलट ने कांग्रेस हाईकमान को बता दिया है कि अगर गहलोत राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते हैं तो उन्हें सीएम पद पर नहीं रहना चाहिए। इतना ही नहीं यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे विधायकों को साथ लाएं। सचिन पायलट अपने समर्थक विधायकों के अलावा अन्य विधायकों के भी लगातार संपर्क में हैं। हालांकि, उन्होंने अभी समर्थकों से हाईकमान के फैसले का इंतजार करने के लिए कहा है।

कल से होने वाले सपा के सम्मेलन में दिखेगा मुलायम पीढ़ी के नेताओं का अभाव

» पार्टी की स्थापना के बाद से पहली बार सम्मेलन अखिलेश यादव पर केंद्रित होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के रमाबाई अंबेडकर मैदान में होने वाला समाजवादी पार्टी का प्रांतीय व राष्ट्रीय सम्मेलन कई मायने में अहम होगा। पार्टी की स्थापना के बाद से पहली बार सम्मेलन अखिलेश यादव पर केंद्रित होगा। सम्मेलन में मुलायम की पीढ़ी के नेताओं का अभाव दिखेगा तो परिवारवाद की छाया से निकलने की छटपटाहट भी दिखेगी। यह सियासी फलक पर पार्टी को ताकत देने के साथ ही नई चुनौतियों से भी रूबरू कराएगा। पार्टी 28 को प्रांतीय और 29 सितंबर को होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

इसमें कई आर्थिक व सामाजिक प्रस्ताव पारित होंगे। अखिलेश यादव भले ही पांच साल पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हों, पर उनका यह पहला सम्मेलन हैं, जिसमें वह खुद सर्वेसर्वा होंगे। इसमें पार्टी संरक्षक पहुंचेंगे, इस पर संशय है। मुलायम के साथ पार्टी को वैचारिक खाद-पानी देने वाले ज्यादातर नेता अब इस दुनिया में नहीं हैं या फिर वे किनारे हैं। यह सम्मेलन परिवारवाद की छाया से भी मुक्त नजर आएगा। प्रो. रामगोपाल यादव राष्ट्रीय महासचिव तक सीमित हैं तो शिवपाल यादव बाहर हो चुके हैं। सियासत में सक्रिय परिवार के बाकी सदस्य पहले ही अखिलेश को अपना नेता मान चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि सम्मलेन में अखिलेश यादव का ही राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना तय है, लेकिन कार्यकारिणी में नई हवा है, नई सपा है का असर दिखेगा। इसमें ऊर्जावान चेहरों को तवज्जो मिलेगी। नरेश उत्तम को प्रदेश अध्यक्ष पद पर दोबारा मौका मिल सकता है। उनके राष्ट्रीय कमेटी में जाने पर पार्टी पिछड़े वर्ग के अन्य नेताओं पर दांव लगा सकती है। हालांकि अंदरखाने दलित चेहरे की तलाश है। दूसरे दल से आए नेताओं का नाम भी हैं, पर हाइकमान समाजवादी संघर्ष से निकले चेहरे पर दांव लगाने पर विचार कर रहा है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कई ऐसे नेता सपा में शामिल हुए हैं, जो मुलायम सिंह के कार्यकाल में उनके खिलाफ रहे हैं। सामाजिक समीकरण के हिसाब से वे फिट हैं, पर पार्टी के मूल कैडर के साथ दूसरे दल के कैडर का समायोजन चुनौतीपूर्ण हैं। कमेटियों के गठन में भी इसका ध्यान रखा जाएगा।

सम्मेलन पर एक नजर

04 अक्टूबर 1992 को सपा की स्थापना : मुलायम सिंह संस्थापक अध्यक्ष बने। 05 अक्टूबर 1992 को बेगम हजरत महल पार्क लखनऊ में पहला सम्मेलन। 11-12 अक्टूबर 1994 को लखनऊ में दूसरा सम्मेलन। 27-28 जुलाई 1996 में लखनऊ में तीसरा सम्मेलन। 29, 30, 31 जनवरी 1999 में भोपाल के लोहिया नगर चौथा सम्मेलन। 3-4 जनवरी 2002 को कानपुर में पांचवां सम्मेलन। 21, 22, 23 अप्रैल 2005 को पटना में छठा सम्मेलन। 26, 27, 28 मार्च 2008 को जबलपुर में सातवां सम्मेलन। 7-8 जून 2011 में आगरा में आठवां सम्मेलन। सपा का संविधान बदला गया। 8,9,10 अक्टूबर 2014 को लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में नौवां सम्मेलन। 05 अक्टूबर 2017 को आगरा में 10वां सम्मेलन।

जनवरी 2017 में राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे अखिलेश

एक जनवरी 2017 को लखनऊ में अखिलेश यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए। फिर पांच अक्टूबर को आगरा के राष्ट्रीय सम्मेलन में विधिवत इस पर मुहर लग गई। पहले सम्मेलन दो वर्ष बाद होता था फिर 2017 से इसे पांच साल बाद कर दिया गया। पार्टी की स्थापना से प्रदेश अध्यक्ष रामशरण दास रहे। 2006 में शिवपाल सिंह यादव बनाए गए। इस पद पर 2010 से अक्टूबर 2016 तक अखिलेश यादव रहे। इसके बाद से नरेश उत्तम हैं।

अवैध निर्माण में दोषी अधिकारियों पर जल्द गिरेगी गाज

» शासन ने मांगी जानकारी, अवैध निर्माणों का होगा सर्वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो-कॉन्सेप्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विकास प्राधिकरणों में फील्ड में तैनात और अवैध निर्माण के लिए दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों पर जल्द गाज गिरेगी। राजधानी के लेवाना प्रकरण के बाद शासन ने जहां सभी विकास प्राधिकरणों में बड़े अवैध निर्माणों की सर्वे कराने का फैसला किया है। वहीं उन कार्मिकों को भी चिह्नित किया जाएगा, जो अवैध निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे प्राधिकरण कार्मिकों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

गौरतलब है कि लखनऊ में अवैध रूप से बने लेवाना सुइट्स होटल में आग लगने की घटना के बाद प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण ने सभी विकास प्राधिकरणों में अवैध रूप से बने होटल, व्यावसायिक भवन और बड़े निर्माणों का सर्वे कराने का निर्देश दिया था। इसी कड़ी में सर्वे शुरू भी कर दिया है। इसी बीच शासन ने सर्वे के साथ ही उन कार्मिकों के बारे में भी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है, जिनकी फील्ड में तैनाती के दौरान अवैध भवनों व होटलों का निर्माण हुआ है। वहीं, सूत्रों का कहना है कि शासन के इस निर्देश के बाद विकास प्राधिकरणों में अवैध निर्माणों का सर्वे तो शुरू कर दिया गया है लेकिन अधिकारियों व कर्मचारियों के बारे में कोई रिपोर्ट तैयार नहीं किया गया है।

दलितों को उद्यमी बनने में मदद करेगी योगी सरकार

» प्रत्येक जिले में गठित होगी पीआईईयू, छह हजार से ज्यादा गांव बनेंगे आदर्श ग्राम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने अब दलितों को उद्यमी बनने में मदद करने जा रही है। दलित अच्छे प्रोजेक्ट बनाकर अपना उद्यम शुरू कर सकें। इसके लिए सरकार हर जिले में परियोजना कार्यान्वयन इकाइयां (पीआईयू) गठित करने जा रही है। उद्यम लगाने के लिए सरकार वित्तीय मदद भी प्रदान करेगी। सरकार इनके उत्पादों की बिक्री के लिए बाजार भी उपलब्ध कराएगी। कारपोरेट सेक्टर के अलावा सरकारी खरीद में भी इनके उत्पाद प्राथमिकता से खरीदे जाएंगे।

उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम के अध्यक्ष लालजी निर्मल ने बताया कि सरकार हर जिले में दलितों को उद्यमी बनने में मदद करने के लिए पीआइयू स्थापित करेगी। इनमें एक परियोजना अधिकारी, तकनीकी सहायक, कंप्यूटर सहायक व राज्य स्तर पर एक राज्य समन्वयक होंगे। यह दलित समूहों को व्यवसाय शुरू करने में मदद करेंगे। समूह में दो या दो से अधिक सदस्य हो सकते हैं और प्रत्येक सदस्य को 50 हजार रुपये की वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। सरकार उद्यमियों को जमीन भी उपलब्ध कराएगी। दलितों के सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा चिह्नित हर गांव में 20 लाख रुपये की राशि से विकास कार्य भी कराए जाएंगे। विभिन्न विभागों से भी इन गांव में प्राथमिकता से विकास कार्य करवाए जाएंगे। सरकार 6,171 दलित बहुल गांवों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करेगी, जहां सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन गांवों में स्वच्छ पेयजल, सोलर लाइट, प्राथमिक विद्यालय और अन्य नागरिक सुविधाओं के साथ उचित स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी।

दीदी को थैंक यू बोलना.....

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

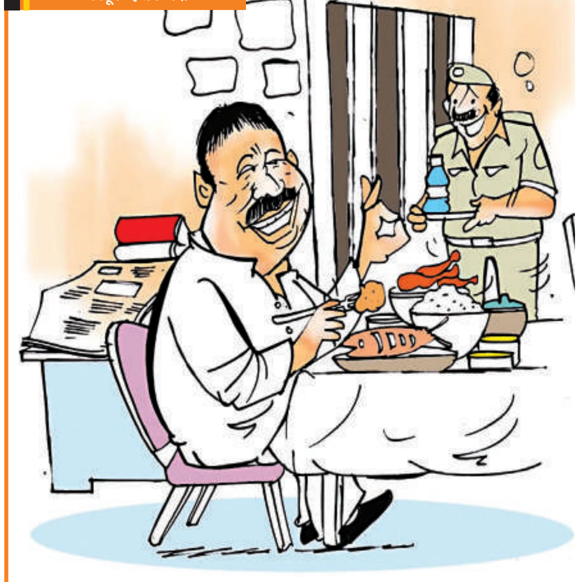

महाराष्ट्र की लकड़ी से बनेंगे राममंदिर के 42 दरवाजे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। राम मंदिर में लगने वाले दरवाजों के लिए लकड़ी की तलाश पूरी हो गई है। महाराष्ट्र के जंगलों के सागौन की लकड़ी खरीदी जाएगी। मंदिर में लगने वाले 42 दरवाजों के लिए तकरीबन एक हजार सात सौ घनफीट लकड़ी लगेगी। लकड़ी की खरीदारी जल्द पूरी किए जाने की संभावना है। महाराष्ट्र के कारीगर ही इन लकड़ियों से दरवाजे तैयार करेंगे। सूत्रों की मानें तो भगवान रामलला के मंदिर निर्माण का काम 40 फीसदी से ज्यादा पूरा हो चुका है।

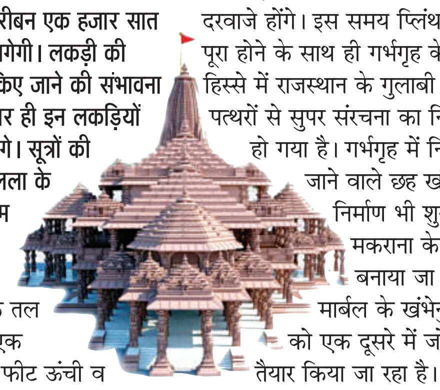

मंदिर के प्रत्येक तल पर लगने वाले हर एक दरवाजे की माप नौ फीट ऊंची व सात फीट चौड़ी है। इन दरवाजों पर विशेष तरह की आकृतियां होंगी, जैसे कलश, सूर्य, चक्र, शंख, गदा और विविध फूल। राम मंदिर तीन तल का होगा। इसके प्रत्येक तल पर 14-14 दरवाजे होंगे। इस समय प्लिंथ का कार्य पूरा होने के साथ ही गर्भगृह के अतिरिक्त हिस्से में राजस्थान के गुलाबी गढ़े हुए पत्थरों से सुपर संरचना का निर्माण प्रारंभ हो गया है। गर्भगृह में निर्मित किए जाने वाले छह खंभों का निर्माण भी शुरू है। ये मकराना के मार्बल से बनाया जा रहा है। मार्बल के खंभेनुमा पीस को एक दूसरे में जोड़कर तैयार किया जा रहा है।

यूपी में पूरे दमखम के साथ निकाय चुनाव में उतरेगी आप, बनाया सियासी प्लान

» अच्छे छवि के प्रत्याशियों का किया जाएगा चयन बीस बिंदुओं पर लड़ा जाएगा चुनाव

» जनता से संवाद को भी बनायी गयी रणनीति निकाली जाएगी पदयात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने कमर कस ली है। लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए आगामी 11 अक्टूबर से आप पदयात्रा निकालेगी। इसके अलावा कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय कर दिया गया है।

प्रदेश में निकाय चुनाव में सत्ताधारी भाजपा के साथ विपक्षी दल सपा, बसपा और कांग्रेस के साथ अब आम आदमी पार्टी में उतरने जा रही है। आम आदमी पार्टी की इंट्री से निकाय चुनाव का दिलचस्प होना तय है। इसके लिए पूरी रणनीति बनायी गयी है। प्रांतीय कार्यकताओं का सम्मेलन किया जा रहा है और उन्हें निकाय चुनाव लड़ने के गुर बताए जा रहे हैं। आप सांसद संजय सिंह का कहना है कि अच्छे प्रत्याशियों का चयन कर हम लोग मजबूती से निकाय का चुनाव लड़ेंगे। नगर पालिकाएं भ्रष्टाचार का केंद्र बन गई हैं। निर्माण कार्यों के नाम पर हजारों करोड़ का घोटाला नगर विकास विभाग में हुआ है। आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी इन मुद्दों को लेकर सड़क पर संघर्ष करेगी। हम संगठन को मजबूती दे रहे हैं। इसके अलावा 11 अक्टूबर को लोक नायक जय प्रकाश नारायण की जयंती पर सरयू से लेकर संगम तक की पद यात्रा शुरू की जाएगी। सुल्तानपुर के पार्टी जिलाध्यक्ष मकसूद खान ने बताया कि 20 बिंदुओं पर निकाय चुनाव लड़ेंगे। जिसमें हम जनता से वादा कर रहे हैं कि नगर पालिका और नगर पंचायतों में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करेंगे। शासन से मिले अनुदान राशि और जनता से टैक्स के रूप में मिले रुपयों का सदुपयोग किया जाएगा। जल टैक्स समाप्त कर दिया जाएगा। मकानों और दुकानों पर जबरन कई गुना बढ़ाए गए टैक्स को सभी वार्डों में कैंप लगाकर निस्तारण किया जाएगा। गरीब और असहाय लोगों के मकानों पर लगे सभी प्रकार के टैक्स समाप्त किए जाएंगे। मकानों के वरासत में पुरानी प्रक्रिया को बहाल किया जाएगा। नगर पालिका और नगर पंचायतों को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि नगर के सभी वार्डों में कैंप लगाकर विकास कार्य हेतु सभासदों और जनता से प्रस्ताव मांगा जाएगा। नगर की सड़कों को और मुहल्लों को जल भराव से मुक्त किया जाएगा। बिजली कटौती की वजह से नगर की जनता को पानी की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए सभी पम्प हाउसों में जनरेटर की व्यवस्था किया जाएगा। नगर पालिका और नगर पंचायतों में ठेके पर एवंम संविदा पर नगर क्षेत्र व नगर पंचायतों के बेरोजगार युवाओं को रखा जाएगा। नगर पालिका और नगर पंचायतों में ठेके पर काम करने वाले श्रमिकों को 12 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। जनता को जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन फार्म जमा करने के बाद 36 घंटे के अन्दर उपलब्ध कराया जाएगा। फुटपाथ पर रोजगार कर रहे लोगों को जब तक बसाया नहीं जाएगा तब तक उन्हें हटाया नहीं जाएगा।

नवंबर-दिसंबर में हो सकते चुनाव

उत्तर प्रदेश में इस साल नवंबर-दिसंबर तक नगरीय निकाय चुनाव होने हैं। निकाय चुनाव को लेकर अन्य तैयारियों में भी तेजी लाई गई है। नगर निकायों के पुनगर्ठन और नए क्षेत्रों को जोड़े जाने के बाद शहरी निकायों की मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य की तैयारी है। नए वोटर लिस्ट के आधार पर वर्ष 2022 में होने वाले निकाय चुनाव में मतदाताओं को वोटिंग का अधिकार मिलेगा। शहरी निकायों की कुल संख्या 734 है। इनमें 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका और 517 नगर पंचायतें शामिल हैं। परिसीमन रिपोर्ट आने के बाद इसमें कुछ और वृद्धि भी हो सकती है।

नगर निकाय चुनाव लड़ना हुआ महंगा

उत्तर प्रदेश में शहरी निकाय चुनाव के खर्च राशि में वृद्धि कर दी गई है। नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है। इस क्रम में यह निर्णय लिया गया है। खर्च का नया स्तर तय किए जाने से अब शहरी निकायों में चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वालों को अपनी जेब मजबूत करनी होगी। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नगरीय निकाय के आगामी चुनाव में खर्च सीमा को डेढ़ गुना बढ़ा दिया गया है। नगरीय निकायों के सीमा क्षेत्र में वृद्धि हुई है। ऐसे में प्रचार के दौरान खर्च भी बढ़ गया है। तमाम पहलुओं पर विचार करने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से इस राशि में वृद्धि की गई है। मेयर पद के प्रत्याशी अब 35 लाख रुपये तक खर्च कर सकेंगे।

डीपी यादव संग मिलकर चुनाव लड़ेगी प्रसपा!

शिवपाल यादव ने अखिलेश पर कसा तंज, कहा अगर मिलकर चलते तो अपनी ही सरकार बनती

» मुलायम सिंह यादव के सम्मान के चलते मैं हमेशा रहा चुप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रसपा मुखिया शिवपाल यादव, अखिलेश यादव से खासे नाराज हैं। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि अब अगले चुनाव में प्रसपा अकेले चुनाव लड़ेगी। सपा से गठबंधन का फिलहाल अभी कोई निर्णय नहीं है। आगे क्या होता है, देखा जाएगा। शिवपाल बोले कि मुलायम सिंह यादव यानी नेताजी के चलते मैं हमेशा चुप रहा। क्योंकि नेताजी का सम्मान पहले है। इससे एक दिन पहले संभल में शिवपाल ने अपने ही परिवार की अंतर्कलह के जिक्र से एक कार्यक्रम में भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि नेताजी को मुख्यमंत्री बनाया और पार्टी के लिए पूरी मेहनत की लेकिन इसके बाद भी साथ नहीं चले।

उन्होंने कहा कि अगर मिलकर चलते तो अपनी ही सरकार बनती। जमीन मिलने पर डिग्री कॉलेज और मेडिकल कॉलेज दिलवाने की बात कही। पूर्व सांसद डीपी यादव ने कहा कि मेरा इस क्षेत्र से पुराना रिश्ता है। यहां के लोग मेरे दिल से जुड़े हैं और जुड़े रहेंगे। आगामी समय में हम और शिवपाल यादव मिलकर चुनाव लड़ेंगे। कहा कि इस क्षेत्र में जमीन मिलने पर वह मिलकर डिग्री कॉलेज बनवाकर देंगे। अपने भाषण में शिवपाल यादव ने कहा कि उन्होंने अपनी अलग प्रगतिशील समाजवादी पार्टी बनाई है। अब राष्ट्रीय परिवर्तन दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डीपी यादव हमारे साथ हैं। हम दोनों मिलकर आगामी चुनाव लड़ेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक को लेकर कहा कि वह भी हमारे साथ नहीं हैं।

राजभर ने शिवपाल को लेकर सपा प्रमुख पर साधा निशाना

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव कभी नहीं चाहते थे कि विधान सभा चुनाव में शिवपाल यादव उनके साथ आएं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी 2024 के लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। नवरात्रि के पहले दिन सुभासपा और भागीदारी एकता पार्टी की सावधान रथ यात्रा शुरू हो रही है। जनता के बीच में हम इन जातियों को सावधान करना चाहते हैं कि जब तक प्रदेश में जातिवार जनगणना नहीं होगी तब तक भागीदारी नहीं मिलेगी। 27 अक्टूबर को ये यात्रा पटना के गांधी मैदान में संपन्न होगी। पार्टी उत्तर प्रदेश में 33 जगहों पर जन सभा करेगी। सभी जिले कवर होंगे। उन्होंने कहा कि समान शिक्षा की लड़ाई हम सावधान रथ यात्रा के माध्यम से करेंगे ताकि सभी को एक समान शिक्षा मिले। यह पार्टी की मंशा है। हम अपने नेतृत्व में पिछले साढ़े पांच साल में जब से विधान सभा में हैं तबसे अब तक गरीबों के इलाज के लिए 9 करोड़ 48 लाख दिए। उन्होंने कहा कि आज लोगों को जरूरत है रोजगार की। पार्टी की मांग है कि मैकेनिकल कोर्सेज की शिक्षा कक्षा चार से शुरू हो ताकि कोई बेरोजगार न रह जाए फिर चाहे मोटरसाइकिल बनाने का काम हो या पंखा बनाने का।

अखिलेश की पार्टी से कभी नहीं होगा गठबंधन

यदुकुल पुनर्जागरण मिशन के लिए राष्ट्रीय परिवर्तन दल के मुखिया डीपी यादव के साथ संभल पहुंचे प्रसपा मुखिया शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि इस समय जाति और वर्ग के आधार पर लोगों को परेशान किया जा रहा है इसीलिए यदुकुल पुर्नजागरण मिशन चलाया जा रहा है। शिवपाल ने आगे कहा कि प्रदेश के 75 जिलों में इस मिशन के तहत जागरूकता की जानी है। पीएफआई को लेकर कहा कि दोषी पर कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन निर्दोष को परेशान न किया जाए। आजम खां पर बोले कि वह बड़े नेता हैं और उन्होंने अच्छे काम किए हैं। उन्हें झूठे मुकदमों में फंसाया गया है। राजनीति में इतना नहीं गिरना चाहिए। यही नहीं, आगे गठबंधन को लेकर अखिलेश पर तंज कसते हुए कहा कि वे अब कभी अखिलेश की पार्टी से गठबंधन नहीं करेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जानलेवा सड़क हादसे और तंत्र

सड़क हादसों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं जिसमें खस्ता हाल सड़कें और लचर ट्रैफिक सिस्टम प्रमुख हैं। सरकार के तमाम दावों के बावजूद सड़कों की हालत आज तक नहीं सुधरी है। इनमें बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। सड़कें मानकों को दरकिनार कर बनायी जा रही हैं। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नयी बनी सड़क पहली बारिश में उखड़ जाती है। ट्रैफिक सिस्टम बेहद लचर है।

प्रदेश में चंद घंटों के भीतर दो सड़क हादसों में 14 लोगों की मौत हो गयी जबकि कई घायल हो गए। लखनऊ में ट्रक की टक्कर से श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर ट्राली तालाब में पलट गयी। हादसे में दस लोगों की मौत हुई। वहीं मुजफ्फरनगर में तेज रफ्तार कार पलटकर सड़क की दूसरी लेन में जाकर बस से टकरा गई, जिससे चार लोगों की जान चली गयी। ये घटनाएं यह बताने के लिए काफी है कि उत्तर प्रदेश में सड़क यातायात कितना असुरक्षित होता जा रहा है। सवाल यह है कि सरकार की तमाम कवायदों के बावजूद सड़क हादसों पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? हादसों के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या खस्ता हाल सड़कें, अप्रशिक्षित चालक और लचर ट्रैफिक सिस्टम के कारण दुर्घटनाओं में इजाफा हो रहा है? सड़क सुरक्षा अभियान बेअसर क्यों साबित हो रहा है? क्या सरकारी तंत्र का लापरवाह रवैया इसके लिए जिम्मेदार नहीं है? क्या लोगों के जीवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है?

प्रदेश में सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल यूपी में कुल 36,509 सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिसमें 24,711 लोगों की जान चली गयी। हादसों में मौतों के मामले में यूपी पहले पायदान पर रहा। हालांकि हादसों की संख्या के मामले में यह तमिलनाडु व मध्य प्रदेश के बाद तीसरे स्थान पर है। सड़क हादसों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं जिसमें खस्ता हाल सड़कें और लचर ट्रैफिक सिस्टम प्रमुख हैं। सरकार के तमाम दावों के बावजूद सड़कों की हालत आज तक नहीं सुधरी है। इनमें बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। सड़कें मानकों को दरकिनार कर बनायी जा रही हैं। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नयी बनी सड़क पहली बारिश में उखड़ जाती है। ट्रैफिक सिस्टम बेहद लचर है। कुछ बड़े शहरों को छोड़ दें तो अधिकांश में ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम नहीं है। चौराहों पर यातायात को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक सिपाही नदारद रहते हैं और चालक नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए तेज रफ्तार में वाहन चलाते हैं। वहीं इनके खिलाफ कार्रवाई करने की जहमत तक यातायात विभाग नहीं उठाता है। दलालों के जरिए तमाम चालक बिना टेस्ट ड्राइविंग लाइसेंस का जुगाड़ कर लेते हैं और लोगों के जीवन से खिलवाड़ करते हैं। नशे में और मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने के कारण भी हादसों की संख्या बढ़ी है। जाहिर है यदि सरकार हादसों से होने वाली मौतों को कम करना चाहती है तो उसे यातायात के नियमों का कठोरता से पालन सुनिश्चित कराना होगा। वहीं गुणवत्तापूर्ण सड़कों के निर्माण की व्यवस्था करनी होगी। साथ ही विभाग की जवाबदेही भी तय करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शांति व सहकार भारत का संदेश

सतीश कुमार

दुनिया की तस्वीर बदल पहले भी रही थी लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध ने इसकी गति तेज कर दी है. अवसर और चुनौती भारत के लिए भी है। अभी तक बड़े संघर्षों और समस्याओं को लेकर चंद देशों की राय महत्वपूर्ण मानी जाती थी या उनके हितों की चर्चा होती थी, लेकिन अब भारत की सोच और दांव-पेंच अहम बन चुके हैं। समरकंद में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन छोटा, किंतु मुद्दों पर केंद्रित रखा था। जब पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की तो उन्होंने बेबाक सूझ सामने रखी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह समय युद्ध का नहीं, बल्कि संरचनात्मक प्रयास का है. महामारी, खाद्य संकट, आर्थिक मुश्किलों तथा सबसे प्रमुख शांति व स्थिरता के लिए प्रयासरत होने की आवश्यकता उन्होंने रेखांकित की।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ्रांस के राष्ट्रपति मैकरां ने इसकी प्रशंसा की तथा अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी इसका समर्थन किया है। शांति की पहल और देशों के बीच सहकार बढ़ाना प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का अहम हिस्सा है। उन्होंने 2016 में नेपाल यात्रा के दौरान कहा था कि दुनिया के समक्ष युद्ध के बजाय बुद्ध को अंगीकार करने का विकल्प है। तब वह संदेश चीन के लिए था, जो भारतीय उपमहाद्वीप में संकट पैदा करने की कोशिश में था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच चीन ताइवान को लेकर आक्रामक हो रहा है। दूसरी तरफ पश्चिमी देश यूक्रेन के जरिये युद्ध की आग में घी डालने में लगे हैं। ऐसे में अपने विश्वस्त मित्र देश के राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि युद्ध को रोकना ही एकमात्र विकल्प है, वैश्विक कूटनीति परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप माना जा रहा है और यह आशा जतायी जा रही है कि इसके सकारात्मक परिणाम होंगे। उल्लेखनीय है कि मोदी का यह संदेश जितना रूस को संबोधित है, उतना ही पड़ोसी देश चीन तथा अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए भी। इस संदर्भ में समरकंद सम्मेलन के विभिन्न पहलुओं को देखा जाना जरूरी है।

शंघाई सहयोग संगठन में भारत को सदस्यता रूस के कारण मिली थी। इसके बदले चीन ने पाकिस्तान को भी सदस्य बनाया था। अब चीन ईरान को भी सदस्य बनाना चाहता है। चीन की मंशा पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका का विरोधी मंच बनाने की है। चीन क्वाड के विरोध में एक तंत्र तैयार करने का इरादा भी रखता है। चूंकि रूस भी इस मुहीम में चीन के

साथ है, इसलिए परिस्थिति गंभीर बन रही है। भारत के नजरिये से रूस और पाकिस्तान की वार्ता चिंता का कारण है लेकिन यह उतना पेचीदा नहीं है, जितना इसकी चर्चा हो रही है. विश्व राजनीति में मित्रता और तटस्थता समय पूरक होते हैं तथा वे राष्ट्रीय हित के अनुसार तय होते हैं। समय के साथ भारत-अमेरिका संबंध एक नयी ऊंचाई पर पहुंच चुका है, वहीं रूस और चीन अमेरिका को शत्रु मान चुके है, इसलिए भी भारत और रूस के बीच एक दरार दिख रही है. लेकिन यह दरार न स्थायी है और न ही गहरी। यह बात राष्ट्रपति पुतिन को भी मालूम है और रूस के साथ भारत अपना भरोसा बनाये हुए है। समस्या यहां से शुरू होती है। भारत ने शांति का संदेश तो दिया है लेकिन भारत चीन को कैसे रोक पायेगा? वह भी ऐसे समय जब रूस चीन के अदना सहयोगी के रूप में तब्दील हो गया है। शीत युद्ध के दौरान पाकिस्तान और रूस नजदीक नहीं आये. आज जब अफगानिस्तान का मसला भारत के लिए एक चुनौती है तो रूस और पाकिस्तान की दोस्ती भारत के लिए टीस की तरह होगी क्योंकि बिसात चीन के द्वारा तैयार होगा और रूस व पाकिस्तान मोहरे के रूप में इस्तेमाल होंगे। शंघाई सहयोग संगठन में आठ सदस्य चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान, चार पर्यवेक्षक (अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान और मंगोलिया) तथा छह संवाद सहयोगी (आर्मेनिया, अजरबैजान, कंबोडिया, नेपाल, श्रीलंका और तुर्की) हैं। नयी विश्व व्यवस्था में भारत का मुख्य दुश्मन चीन है इसलिए जरूरत चीन की धार कुंद करने की है। इसके लिए भारत का सबसे मजबूत आधार अमेरिका और पश्चिमी दुनिया है। साथ में पूर्वी एशिया के देश भी शामिल हैं। क्वाड इसका मंच है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात नयी विश्व व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। अमेरिकी विरोध के बावजूद भारत रूस से एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीद रहा है। हमारे रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, औद्योगिक तकनीकी और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के विकास में रूस का बड़ा योगदान रहा है। वैश्विक राजनीति और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिका के समक्ष रूस एक सकारात्मक संतुलन स्थापित करने में सहायता करता है।

मानसून की टेढ़ी चाल की हो पड़ताल

मुकुल व्यास

दक्षिण पश्चिमी मानसून आम तौर पर सितंबर के उत्तरार्ध में अपना बोरिया-बिस्तर समेटने लगता है लेकिन इस बार उसने ऐसा नहीं किया। लगभग पूरा महीना गुजर जाने के बाद मानसून की उपस्थिति बनी हुई है। पिछले हफ्ते उत्तरी राज्यों में कहीं भारी और कहीं मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को हिला कर रख दिया है। इस साल मानसून की अनियमित चाल के बावजूद देश के कई हिस्सों को अतिवृष्टि का शिकार होना पड़ा है। भारत की सिलिकॉन वैली समझे जाने वाले बेंगलुरु शहर में ट्रैक्टर चले और गुरुग्राम में लोगों को घरों से काम करने का आग्रह किया गया। इस बार बादल फटने की घटनाएं भी हुईं जिनसे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर में भारी तबाही हुई। पिछले साल भी बादल फटने से उत्तरी राज्यों में काफी नुकसान हुआ था।

भारत में मानसून के दौरान कम अवधि में भारी बारिश की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के रिसर्चरों द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पिछले 50 वर्षों के दौरान कम अवधि में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। अध्ययन में शामिल किए गए 165 मौसम स्टेशनों में अधिकांश में 1980 के बाद वर्षा की अधिक तीव्रता रिकार्ड की गई है। कुछ मामलों में तो तीव्रता में 40 से 370 प्रतिशत तक की वृद्धि रिकार्ड की गई है। दरअसल, नदियों और पहाड़ों के जाल में जकड़ा हुआ हिमालय क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से कमजोर और अस्थिर है। यहां प्राकृतिक आपदाओं का खतरा हमेशा बना रहता है। कभी बाढ़ तो कभी भूस्खलन और कभी बादल का फटना। इन आकस्मिक मौसमीय घटनाओं से स्थानीय लोगों का जीवन हमेशा संकट में रहता है। हिमालय क्षेत्र में बादल फटने की घटनाएं सामान्य तौर पर जुलाई और अगस्त में होती हैं। बादल फटने की घटनाओं में उत्तरोत्तर वृद्धि एक गहरी चिंता का विषय है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसा हो रहा है। हालांकि यह एक जटिल विज्ञान है और इस विषय पर समुचित प्रमाण जुटाए जाने बाकी हैं।

पहले लोग समझते थे कि बादल पानी से भरा गुब्बारा है जिसके फटने से पानी धड़ाधड़ नीचे गिरने लगता है। इसी वजह से इस तरह की आकस्मिक वर्षा को 'बादल का फटना' अथवा 'क्लाउडबर्स्ट' कहा जाने लगा। बादल फटना दरअसल भारी वर्षा का एक रूप है। इसका स्वरूप स्थानीय होता है। इसमें बहुत छोटे से क्षेत्र में बहुत तेज रफ्तार से बारिश होती है। यह क्षेत्र 20-30 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा नहीं होता और बारिश की रफ्तार एक घंटे में 100 मिलीमीटर के स्तर पर पहुंच सकती है। बादल फटने की घटनाएं ज्यादातर उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में होती हैं। भारत में मानसून की सक्रियता के दौरान हिमालय क्षेत्र,उत्तर-पूर्वी राज्यों और पश्चिमी घाट में बादल फटने की घटनाओं का खतरा बना रहता है। ऐसी घटना मैदानी इलाकों में भी हो सकती हैं लेकिन वहां इसकी संभावना कम रहती है। पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में सीधी ढलान वाले पर्वतों के कारण मानसून के बादल एकदम तेजी से ऊपर उठ जाते हैं। सीधे ऊपर उठते हुए बादल घने हो जाते हैं और विराट ऊंचाई ग्रहण कर लेते हैं। जमीन के ऊपर इनकी ऊंचाई 15 किमी तक पहुंच सकती है। इन दैत्याकार बादलों को को 'क्युमुलोनिम्बस' बादल कहा जाता है। समझा जाता है कि हिमालय क्षेत्र में तेजी से ऊपर उठने वाले बादलों के साथ नमी वाली मिट्टी भी होती है। यह मिट्टी नमी का अतिरिक्त स्रोत होने के कारण संभवत: बादल फटने की प्रक्रिया में मदद करती है। इस तरह की वर्षा की एक खास बात यह है कि इसमें पानी की बूंदें आपस में जुड़कर बड़ी बूंदों में तब्दील हो जाती हैं। ये बूंदें ज्यादा तेजी से नीचे गिरती है। तेजी से गिरने वाला पानी स्थानीय पैमाने पर जबरदस्त बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर देता है। पहाड़ों की विशिष्ट भौगोलिक बनावट के कारण यह बाढ़ ज्यादा विकराल हो कर भारी तबाही का कारण बनती है।

जलवायु मॉडल में कुछ अनिश्चितताएं हो सकती हैं लेकिन चरम वृष्टि की घटनाओं का संबंध दुनिया में तापमान वृद्धि के साथ भी हो सकता है। सतह का तापमान बढ़ने से संभवत: वाष्पीकरण बढ़ रहा है। इससे वायुमंडल की नमी को संभालने की क्षमता में वृद्धि हो सकती है। यह भी चरम वृष्टि का एक कारण हो सकता है। समुद्र तेजी से गर्म हो रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप नमी से भरपूर हवा हिमालय क्षेत्र में पहुंच रही है। इससे बादल फटने की संभावना बनती है। हिमालय क्षेत्र में तापमान वृद्धि का बादल फटने से क्या संबंध है, यह अभी गहरे शोध का विषय है।

बादल फटने के दौरान वर्षा इतनी आकस्मिक और अप्रत्याशित होती है कि इनका पूर्वानुमान लगाना मौसम वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। 2013 में उत्तराखंड में आई बाढ़ से करीब 5000 लोगों की मौत के बाद डोप्लर रेडार जैसी बेहतर चेतावनी प्रणाली स्थापित करने की मांग उठी। गढ़वाल जैसे क्षेत्रों में यह रेडार अभी तक स्थापित नहीं हुआ है जहां बादल फटने की घटनाएं आम हैं। भारतीय मौसम विभाग और उत्तराखंड सरकार ने पिछले साल कुमायूं के मुक्तेश्वर में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं की पूर्व चेतावनी के लिए एक डोप्लर रेडार स्थापित किया था। बादल फटने की संभावित घटनाओं की ट्रैकिंग के लिए यह रेडार आदर्श है बशर्ते उस क्षेत्र में वायु का दबाव और नमी नापने वाला समुचित नेटवर्क हो। रिसर्चरों का दावा है कि इस चलते-फिरते रेडार से वर्षा की बूंदों का आकार नापा जा सकता है।

शारदीय नवरात्रि 26 सितंबर 2022 से शुरू हो रही हैं जो 5 अक्टूबर 2022 तक चलेंगी। इस नौ दिवसीय उत्सव के दौरान कई लोग उपवास रखते हैं जिसमें वह नॉनवेज और प्याज-लहसुन का सेवन नहीं करते। वहीं अगर कोई वेट लॉस डाइट पर रहता है तो उसके लिए नवरात्रि के उपवास चुनौती भरे साबित हो सकते हैं क्योंकि इस दौरान उसे प्रोटीन फूड्स की कमी रहेगी। जहां पर वह नवरात्रि के पहले नॉनवेज फूड्स से प्रोटीन की कमी पूरी करते थे वहीं नवरात्रि में यह सब खाना वर्जित माना जाता है इसलिए उसे प्रोटीन के काफी कम सोर्स से प्रोटीन की कमी पूरी करनी होगी। अगर आप भी वेट लॉस डाइट पर हैं तो हम यहां आपको कुछ ऐसी चीजें बता रहे हैं जिन्हें नवरात्रि के दौरान खाने से प्रोटीन की कमी पूरी हो जाएगी।

नवरात्रि उपवास के दौरान सेहत का रखें ध्यान

इन प्रोटीन फूड्स का करें सेवन

डेयरी प्रोडक्ट

दूध, प्रोटीन का काफी अच्छा सोर्स माना जाता है। नवरात्रि में आप कोई भी डेयरी प्रोडक्ट का सेवन कर सकते हैं जिससे प्रोटीन की कमी पूरी हो सकती है। दही और पनीर से बनी चीजें भी प्रोटीन में काफी हाई होती हैं। वहीं अगर आपका उपवास है तो एनर्जेटिक रहने में भी यह चीजें मदद कर सकती हैं।

पनीर

यदि आप पनीर के शौकीन हैं तो नवरात्रि में काफी फायदा मिल सकता है। आप पनीर की तरह-तरह की डिश बनाकर खा सकती हैं। 100 ग्राम पनीर में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है। चाहें तो पनीर की भुर्जी खा सकते हैं या फिर कच्चा पनीरल भी खा सकते हैं।

प्रोटीन वाले लड्डू

त्योहार के मौसम में प्रोटीन वाले लड्डू भी खा सकते हैं। लड्डूमें घी, बादाम, ऐमारैंथ मिलाएं जिससे उनमें प्रोटीन की मात्रा अधिक हो जाएगी। लड्डू बनाना काफी आसान होता है इसलिए इस नवरात्रि इसे भी ट्राय कर सकते हैं।

कुट्टू का आटा

कुट्टू का आटा भी प्रोटीन का काफी अच्छा सोर्स होता है। अगर चाहें तो इस आटे का हलवा खा सकते हैं, रोटी खा सकते हैं या किसी अन्य तरीके से भी इसका प्रयोग कर सकते हैं।

प्रोटीन शेक या छाछ

हाइड्रेट रहने के लिए प्रोटीन शेक का प्रयोग करें। प्रोटीन शेक भी वेजिटेरियन प्रोटीन सोर्स होता है। इसमें चाहें तो फल और मेवा डाल सकते हैं। इसके अलावा लस्सी या छाछ भी ले सकते हैं।

नट्स

बादाम और अखरोट जैसे ड्राई फ्रूट्स भी प्रोटीन का अच्छा स्रोत होते हैं। जब भी भूख लगे तब नट्स का सेवन कर सकते हैं इससे भूख भी मिटेगी और प्रोटीन की कमी भी पूरी होगी। साथ ही कद्दू के बीज या अलसी भी खा सकते हैं।

दालें

यदि आप 1 समय भोजन करते हैं तो डाइट में दाल को शामिल करें। दरअसल, दाल में काफी अधिक मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है और अगर आप 2-3 कटोरी भी दाल का सेवन करते हैं तो करीब 30-40 ग्राम प्रोटीन आपको मिल सकता है।

हंसना मना है

गोलू बड़ा परेशान बैठा था। भोलू- क्या हुआ यारा। गोलू क्या बताऊं आज टीचर कह रही थी। जिंदगी चार दिन की है। लेकिन मैंने रिचार्ज तो 84 दिन का करवा लिया।

बैंक लूटने के बाद। डाकू- तुमने मुझे देखा क्लर्क- हां डाकू ने क्लर्क को गोली मारकर एक आदमी से पूछा- तुमने कुछ देखा। आदमी- नहीं, पर मेरी पत्नी ने देखा है, साथ में कह रही है पुलिस को भी बताएगी। पिता- बेटी तुम पहले मुझे पापा कहती थी। और अब डैड कहती हो ऐसा क्यों। बेटी- ओह डैड, आप भी न। पापा कहने से लिपस्टिक खराब हो जाती है। पिता बेहोश।

डॉक्टर - क्या बात है? पीटू - जी, कुत्ते ने काट लिया है। डॉक्टर - तुमने बाहर बोर्ड पर लिखा नहीं पढ़ा, मरीज देखने का समय केवल सुबह आठ से 11 बजे तक है और तुम एक बजे आये हो। जी मैंने पढ़ लिया था, पर कुत्ते ने नहीं पढ़ा था।

पहला कैदी- तुम्हें पुलिस ने क्यों पकड़ा? दूसरा कैदी- बैंक लूटने के बाद वहीं बैठकर पैसे गिनने लगा तो पुलिस ने पकड़ लिया। पहला कैदी- वहीं पर पैसे गिनने की क्या जरूरत थी? दूसरा कैदी- वहां पर लिखा था कि काउंटर छोड़ने से पहले पैसे गिन लें, बाद में बैंक जिम्मेदार नहीं होगा।

कहानी | वंश की रक्षा

किसी पर्वत प्रदेश में मन्दविष नाम का एक वृद्ध सर्प रहा करता था। एक दिन वह विचार करने लगा कि ऐसा क्या उपाय हो सकता है, जिससे बिना परिश्रम किए ही उसकी आजीविका चलती रहे। उसके मन में तब एक विचार आया। वह समीप के मेंढकों से भरे तालाब के पास चला गया। वहां पहुँचकर वह बड़ी बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगा। उसे इस प्रकार घूमते देखकर तालाब के किनारे एक पत्थर पर बैठे मेंढक को आश्चर्य हुआ तो उसने पूछा, मामा! आज क्या बात है? शाम हो गई है, किन्तु तुम भोजन-पानी की व्यवस्था नहीं कर रहे हो? सर्प बड़े दु:खी मन से कहने लगा, बेटे! क्या करूं, मुझे तो अब भोजन की अभिलाषा ही नहीं रह गई है। आज बड़े सवेरे ही मैं भोजन की खोज में निकल पड़ा था। एक सरोवर के तट पर मैंने एक मेंढक को देखा। मैं उसको पकड़ने की सोच ही रहा था कि उसने मुझे देख लिया। समीप ही कुछ ब्राह्मण स्वाध्याय में लीन थे, वह उनके मध्य जाकर कहीं छिप गया। उसको तो मैंने फिर देखा नहीं। किन्तु उसके भ्रम में मैंने एक ब्राह्मण के पुत्र के अंगूठे को काट लिया। उससे उसकी तत्काल मृत्यु हो गई। उसके पिता को इसका बड़ा दु:ख हुआ और उस शोकाकुल पिता ने मुझे शाप देते हुए कहा, दुष्ट! तुमने मेरे पुत्र को बिना किसी अपराध के काटा है, अपने इस अपराध के कारण तुमको मेंढकों का वाहन बनना पड़ेगा। बस, तुम लोगों के वाहन बनने के उद्देश्य से ही मैं यहां तुम लोगों के पास आया हूं। मेंढक सर्प से यह बात सुनकर अपने परिजनों के पास गया और उनको भी उसने सर्प की वह बात सुना दी। इस प्रकार एक से दूसरे और दूसरे से तीसरे कानों में जाती हुई यह बात सब मेंढकों तक पहुँच गई। उनके राजा जलपाद को भी इसका समाचार मिला। उसको यह सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ। सबसे पहले वही सर्प के पास जाकर उसके फन पर चढ़ गया। उसे चढ़ा हुआ देखकर अन्य सभी मेंढक उसकी पीठ पर चढ़ गए। सर्प ने किसी को कुछ नहीं कहा। मन्दविष ने उन्हें भांति-भांति के करतब दिखाए। सर्प की कोमल त्वचा के स्पर्श को पाकर जलपाद तो बहुत ही प्रसन्न हुआ। इस प्रकार एक दिन निकल गया। दूसरे दिन जब वह उनको बैठाकर चला तो उससे चला नहीं गया। उसको देखकर जलपाद ने पूछा, क्या बात है, आज आप चल नहीं पा रहे हैं? हां, मैं आज भूखा हूं इसलिए चलने में कठिनाई हो रही है। जलपाद बोला, ऐसी क्या बात है। आप साधारण कोटि के छोटे-मोटे मेंढकों को खा लिया कीजिए इस प्रकार वह सर्प नित्यप्रति बिना किसी परिश्रम के अपना भोजन पा गया। किन्तु वह जलपाद यह भी नहीं समझ पाया कि अपने क्षणिक सुख के लिए वह अपने वंश का नाश करने का भागी बन रहा है। सभी मेंढकों को खाने के बाद सर्प ने एक दिन जलपाद को भी खा लिया। इस तरह मेंढकों का समूचा वंश ही नष्ट हो गया।

सीख : अपने हितैषियों की रक्षा करने से हमारी भी रक्षा होती है।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सामाजिक और धार्मिक कार्यों के लिए उत्कृष्ट दिन है। आज किसी पुराने मित्र से अचानक भेंट हो सकती है। इससे मन में हर्ष होगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी।

वृषभ

आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगा रहेगा। बच्चे माता-पिता का किसी धार्मिक काम में उनका साथ देंगे। कई दिनों से चली आ रही परेशानियां आज खत्म हो सकती है।

मिथुन

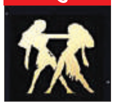

आज आपको एक अच्छा मौका मिलने वाला है। खाने-पीने में आज कोई कोताही नहीं बरतें। दांपत्य जीवन में थोड़ा तनाव रहेगा।

कर्क

आज का दिन घर के कामों में बितेगा। परिवारवाले आपके कामों में आपकी सहायता करेंगें। आज अच्छा भोजन करने से आनन्द की प्राप्ति होगी।

सिंह

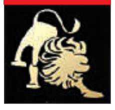

परेशानियां आज हल होती नजर आ रही हैं। ऐसी जानकारियों को उजागर न करें जो व्यक्तिगत और गोपनीय हों। लंबे समय से रुके हुए किसी काम को लेकर आज रास्ते खुलते दिखाई देंगे।

कन्या

उत्साह से परिपूर्ण रहेगा। इस राशि के लोग आज मानसिक रूप से खुश रहेंगे। आज आपका समय दोस्तों के साथ बितेगा, जिससे आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

तुला

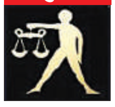

किसी पुराने मित्र से मिलने के योग बन रहे हैं, जो आपके लिये शुभ होने वाला है। पारिवारिक जीवन में कोई बड़े निर्णय की ओर बढ़ेंगे। आपका दिन प्रेम प्रसंग के लिए पूरी तरह से अनुकूल है।

वृश्चिक

आज आपका दिन राहतपूर्ण रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि वाले कवियों के लिए आज का दिन अत्यन्त महत्वपूर्ण रहने वाला है।

धनु

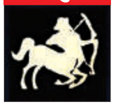

निजी जीवन में सुख, सामंजस्य ब?गा. आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां बढ़ेंगी। गलतफहमियां दूर कर सकेंगे और नए वादे किए जाएंगे।

मकर

आज आपके घर खुशियों का आगमन हो सकता है, जिससे घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज आप अपनी सेहत के प्रति सावधान रहे साथ ही खान-पान पर भी ध्यान रखने की जरूरत है।

कुम्भ

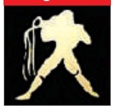

आज आपके प्रत्येक कार्य में आपका आत्मविश्वास छलकता हुआ दिखेगा। भाग्य का साथ आपको मिल सकता है। दूसरों के मामलों में बिल्कुल भी दखल न दें। वाहन सावधानी के साथ धीरे चलाएं।

मीन

आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज घर की कुछ नयी जिम्मेदारी आपको संभालनी पड़ सकती है। आज आपका कोई मित्र अपने घर पर डिनर के लिए इंवॉइट कर सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड के बाद टीवी पर राज कर रहीं अर्चना पूरन

द कपिल शर्मा शो में जज की कुर्सी पर बैठकर जोरदार ठहाके लगाने वाली अर्चना पूरन सिंह आज अपना 60वां जन्मदिन मना रही हैं। देहरादून में जन्मी अर्चना ने टीवी के अलावा बॉलीवुड में भी काम और नाम दोनों किया है। आज भले ही उनकी पहचान द कपिल शर्मा शो में जज के तौर पर है, लेकिन वह 1987 से लगातार काम कर रही हैं। उन्होंने साल 1987 में आदित्य पंचोली के साथ बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद वो नसीरुद्दीन शाह के साल फिल्म जलवा में नजर आईं जो हिट साबित हुई थी। अर्चना पूरन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1962 को देहरादून में हुआ था। अर्चना ने अपने एक्टिंग करियर में सपोर्टिंग रोल ज्यादा निभाए हैं। वह फिल्म लव स्टोरी 2050, मोहब्बतें, कृष, कुछ कुछ होता है, मस्ती और बोल बच्चन जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अर्चना की गिनती अपने समय की बोल्ड अभिनेत्रियों में होती है। उन्होंने गोविंदा की फिल्म बाज और सुनील शेट्टी की फिल्म जज मुजरिम में आइटम नंबर भी किया है। अर्चना को सबसे ज्यादा फिल्म कुछ कुछ होता है में मिस ब्रिगेंजा के किरदार में पसंद किया गया। साल 1993 में अर्चना वाह क्या सीन है टीवी शो में भी नजर आईं। साथ ही वह श्रीमान श्रीमती में भी मुख्य भूमिका में दिखीं। इसके अलावा उन्होंने जाने भी दो पारो और नहले पे देहला जैसे शो का निर्देशन भी किया है। अर्चना एक अच्छी जज भी रही हैं। अपने पति परमीत सेठी संग अर्चना ने कई शो होस्ट किए हैं जिसमें झलक दिखला जा और कहो ना यार है शामिल हैं। अर्चना ने पर्दे पर तो खूब धमाल मचाया ही साथ ही अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी वो काफी चर्चा में रहीं। अर्चना ने परमीत सेठी संग दूसरी शादी की थी। फिल्म इंडस्ट्री में आने के बाद अर्चना और परमीत की मुलाकात हुई और धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई।

सलमान खान के शो में दिख सकती हैं इंडियन शकीरा

बिग बॉस-16 एक अक्टूबर से शुरू होने वाला है। एक बार फिर बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान शो के होस्ट के रूप में नजर आएंगे। शो के कई कंटेस्टेंट्स के नाम सामने आ रहे हैं। इस बार बिग बॉस-16 में राजस्थान के नागौर जिले के मेड़ता शहर की रहने वाली तस्लीमा बानो उर्फ गौरी नागौरी (24) भी कंटेस्टेंट बनकर आ सकती हैं। गौरी के करीबी लोगों की तरफ से ये दावा किया गया है। गौरी नागौरी शो की शूटिंग के लिए शनिवार को मुंबई पहुंच भी गई हैं। वहीं शो में भाग लेने को लेकर लीगल फॉर्मेलिटीज व एग्रीमेंट पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। गौरी नागौरी अपने बोल्ड डांस के लिए फेमस हैं। राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, दिल्ली और यूपी में कई स्टेज परफॉर्मेंस कर चुकी हैं। उनके बोल्ड डांस के कारण कई बार विवाद भी हो चुका है। 24 साल की तस्लीमा बानो को ही गौरी नागौरी के नाम से जाना जाता है। गौरी नागौरी की कहानी संघर्ष, जुनून और रोमांच से भरी हुई है। डांस कभी भी उसके लिए आसान नहीं रहा। एक बार एक घरेलू कार्यक्रम में उसे नाचता देखकर मां बेगम और पिता नूर मोहम्मद इतना नाराज हो गए कि उन्होंने उसे तकरीबन 12 दिनों तक कमरे में बंद रखा था। वो नहीं मानी, तो इस पर उसकी जमकर पिटाई भी की गई थी। इसके बाद एक बार मेड़ता शहर में स्कूल के कल्चरल प्रोग्राम में गौरी को डांस परफॉर्म करना था। तब वह आठवीं में पढ़ती थीं। इसी प्रोग्राम में उसके पापा नूर मोहम्मद भी आए थे। परफॉर्मेंस के बाद उसे पहला स्थान मिला और वहां जमकर तालियां बजीं। टीचर्स से लेकर वहां मौजूद हर किसी ने पापा के सामने गौरी के डांसिंग टैलेंट की तारीफ की। इसके बाद नूर मोहम्मद उनके डांस को सपोर्ट करने लग गए। मां बेगम को डांस करना पसंद नहीं था। गौरी के वालिद नूर मोहम्मद राजस्थान पीडब्ल्यूडी में पोस्टेड थे। उनसे गौरी को बहुत प्यार था। साल 2010 में उनके इंतकाल के बाद वो डिप्रेस्ड होकर एक साल तक डांस की दुनिया से दूर चली गई थी। गौरी, कोलंबिया की इंटरनेशनल डांसर शकीरा को खुद की आइडल मानती है। शकीरा को फॉलो करते-करते ही उसने डांस शुरू किया था। गौरी नागौरी के शुरुआती दिनों में

बॉलीवुड | मसाला

उनके गौरी नाचे नागौरी नाचे सॉन्ग और इस में किए उनके डांस ने राजस्थान में तहलका मचा दिया था। इसके बाद लोग उनके डांस के दीवाने हो गए थे।

राजू श्रीवास्तव की पत्नी बोली, मेरी तो जिंदगी चली गई

कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की याद में मुंबई के इस्कॉन मंदिर में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया था। उन्हें श्रद्धांजलि देने बॉलीवुड इंडस्ट्री से जुड़े कई सुपरस्टार पहुंचे थे। प्रार्थना सभा में मौजूद हर शख्स ने दिवंगत कॉमेडियन के बारे में चंद शब्द कहे। जिनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। लेकिन, जिस वीडियो ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया वह था राजू श्रीवास्तव की पत्नी का वीडियो। उनकी पत्नी शिखा उनके बारे में बात करते हुए फूट-फूट कर रोने लगीं। भावुक शिखा ने माइक लिया और कहा क्या बोलूं... कुछ बोलने को अब रहा ही नहीं। मेरी तो जिंदगी चली गई। इतना कहने के बाद शिखा टूट गईं और रोने लगीं। अपने आप को संभालते हुए शिखा आगे बोलीं कि सब लोगों ने बहुत प्रार्थनाएं कीं, डॉक्टरों ने भी पूरी कोशिश की... हम सब ने बहुत कोशिश की...लेकिन उन्होंने हम सबको बहुत हंसाया। ऊपर जाकर भी सबको हंसा रहे होंगे। खुश रहें, शांति से रहें। बहुत-बहुत धन्यवाद। पत्नी के अलावा जॉनी लीवर का भी वीडियो वायरल हो रहा है। जॉनी लीवर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा राजू के संघर्ष के दिनों की शुरुआत मेरे साथ ही हुई थी। हमारे पारिवारिक संबंध हैं, और हम पड़ोसी भी हैं। तो आप अंदाजा लगा सकते हैं कि मैं कितने दुख में हूं। हमने एक महान कलाकार को खो दिया है, उन्होंने लोगों को कई सालों तक हंसाया। लेकिन, अचानक उनकी मृत्यु हो गई। स्टैंड-अप कॉमेडी के लिए यह बहुत बड़ी क्षति है। गौरतलब है कि राजू श्रीवास्तव को 10 अगस्त को वर्कआउट करने के दौरान हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद से वह अस्पताल में ही भर्ती थे।

प्रार्थना सभा

अजब-गजब | माता के इस मंदिर में होता है चमत्कार

रात में मूर्तियां करती हैं आपस में बात

आज से शारदीय नवरात्रे शुरू हो गए हैं। नवरात्रि हिंदुओं का एक प्रमुख पर्व है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान, शक्ति देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। भारत में माता के ऐसे अनेक चमत्कारिक मंदिर हैं, जो आम लोगों के लिए ही नहीं बल्कि वैज्ञानिकों के लिए भी हैरान कर देने वाले हैं। वैज्ञानिक भी इनके रहस्य आज तक नहीं सुलझा पाए हैं। माता का एक ऐसा ही सैंकड़ों साल पुराना रहस्यमयी और चमत्कारिक मंदिर है, जो विज्ञान और वैज्ञानिकों के लिए भी आश्चर्य बना हुआ है। यह रहस्यमयी मंदिर बिहार में है। यहां मूर्तियां आधी रात को चमत्कार करती हैं। आधी रात को मूर्तियां करती हैं आपस में बात! मता का यह चमत्कारिक मंदिर बिहार के बक्सर जिले में है। इस मंदिर का नाम राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर की मूर्तियां आपस में बात करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने इस पर रिसर्च की तो उन्होंने भी इस बात से इंकार नहीं किया। बताया जाता है कि यह रहस्यमयी मंदिर 400 वर्ष पुराना है। इस मंदिर की स्थापना प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने किया था।

तंत्र साधना से हुई है प्राण प्रतिष्ठा

ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर में माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा तंत्र साधना से ही गई थी। इसी वजह से इस मंदिर के प्रति तांत्रिकों की अटूट आस्था है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। ऐसा कहा जाता है कि राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में रात को यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। आधी रात को जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पढ़ती हैं।

इनकी मूर्तियां हैं मंदिर में स्थापित

इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगढ़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां बंगलामुखी माता, दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

वैज्ञानिकों भी रह गए हैरान

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वैज्ञानिकों ने इस पर रिसर्च किया कि क्या वाकई यहां मूर्तियां बोलती हैं। रिसर्च के बाद वैज्ञानिकों ने भी माना कि यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम रिसर्च के लिए गई थी। वैज्ञानिकों को भी वहां विचित्र आवाजें सुनाई दीं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे यहां पर आवाज आती है।

इस लड़के को अंधेरे में भी दिखाई देता है साफ, गिनीज बुक में दर्ज है इसका नाम

क्या आपको अंधेरे में दिखाई देता है? अगर कोई आपसे ये सवाल पूछे तो यकीनन आप उसे सिरफिरा या पागल ही कहेंगे, क्योंकि किसी इंसान को अंधेरे में दिखाई नहीं देता तो ऐसा सवाल पूछना यकीनन अपने आप में पालगपन से भरा ही हो सकता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे लड़के के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे यकीनन अंधेरे में दिखाई देता है और रात के अंधेरे में उसकी आंखें किसी मोती की तरह चमकती हैं। यही नहीं इस लड़के का नाम इसी वजह से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज है। दरअसल, चीन में रहने वाले नोंग यूइई नाम के एक लड़के को अंधेरे में साफ दिखाई देता है। ये लड़का चीन के ग्वाजी नाम के एक गांव में रहता है। जब ये छोटा था तब भी उसकी आंखें किसी असाधारण बच्चे की तरह नीले रंग की थी, लेकिन जब अंधेरा होता तो उसकी आंखें किसी जानवर की तरह चमकने लगती। अपने बेटे को देखकर नोंग के माता-पिता भी हैरान थे। जब उन्हें इस बात का पता चला तो वह नोंग को गांव में स्थित डॉक्टर के पास ले गये, पर डॉक्टर ने कहा कि उम्र के बढ़ते इसकी आंखों का रंग अपने आप ठीक हो जायेगा। दिन निकलते गये और एक दिन नोंग अपने स्कूल में दिन के वक्त ठीक से ना देख पाने की शिकायत की। नोंग की शिक्षिका ने देखने के लिए जैसे ही उसकी आंखों पर टॉर्च की रोशनी दी, तब उसकी चमकती आँखों को देख वह भी चौंक गयी। क्योंकि नोंग की आंखों की जांच जब अंधेरे में की गयी तो और भी चौंकाने वाली बात सामने आयी, नोंग अंधेरे में सब कुछ साफ-साफ देख सकता था। इस पर योंग ने बताया कि वह दिन कि अपेक्षा रात में कई ज्यादा स्पष्ट देख सकता है। उसके बाद इस लड़के को देखने और इसकी आंखों की जांच करने वाले डॉक्टरों के कतार लगने लगी। जांच में पता चला की नोंग बंद कमरे के अंधेरे में या रात के अंधेरे में पढ़ भी सकता है और सब कुछ देख भी सकता है।

अब गहलोत सरकार के मंत्री धारीवाल ने खोला मोर्चा, कहा

गहलोत को सीएम पद से हटाने की थी साजिश, माकन थे शामिल

» **दिल्ली से लाए थे पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का एजेंडा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान कांग्रेस में चल रहे सियासी संकट के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमे ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गहलोत के विश्वस्त और संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने सोमवार देर रात जयपुर स्थित अपने आवास पर प्रेस कांफ्रेंस कर आरोप लगाया कि गहलोत को सीएम पद से हटाने का षडयंत्र था, जिसमें राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन शामिल थे।

उन्होंने कहा कि माकन दिल्ली से सचिन पायलट को सीएम बनाने का एजेंडा लेकर आए थे। जिसके हमारे पास सबूत हैं। उन्होंने कहा कि माकन का एजेंडा पायलट को सीएम बनाना था इसलिए विधायक नाराज हो गए। विधायक दल की बैठक भी जल्दबाजी में बुलाई गई थी। उन्होंने माकन पर पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आलाकमान 102 विधायकों में से किसी को भी सीएम बना सकता है।

धारीवाल ने कहा कि दो साल पहले भाजपा के साथ मिलकर सरकार गिराने की कोशिश की, वे स्वीकार नहीं होंगे। उन्होंने गद्दारी की थी। रविवार को विधायक दल की बैठक में इसलिए नहीं गए क्योंकि वहां की मंशा सही नहीं लग रही थी। गहलोत को हटाने के षडयंत्र का पता चला इसलिए विधायक बैठक में नहीं गए और मेरे घर आए थे। उन्होंने कहा कि दूसरे पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे निष्पक्ष और ईमानदार आदमी है।

भाजपा ने की राष्ट्रपति शासन की मांग

राजस्थान कांग्रेस के सियासी संग्राम के बीच भाजपा ने प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। प्रतिपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया और उपनेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत सरकार अल्पमत में है। ऐसे में सरकार को भंग कर राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस के घटनाक्रम को मुख्यमंत्री की कुर्सी की लड़ाई बताया। कटारिया ने कहा कि कांग्रेस विधायकों की खींचतान पर हम नजरें जमाए हुए हैं। कांग्रेस पूरी तरह टूटेगी तो हम भी अपना निर्णय करेंगे। उन्होंने कहा कि जब गहलोत समर्थक विधायकों ने अपने इस्तीफे विधान सभा अध्यक्ष को सौंप दिए हैं तो साफ हो गया कि सरकार अल्पमत में है। ऐसे में राष्ट्रपति शासन लागू हो जाना चाहिए।

बिहार में जमीन तलाश रहे पीके, करेंगे पदयात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर अब बिहार में अपने लिए जमीन तलाश में रहे हैं। पीके की तीन हजार किलोमीटर की पदयात्रा दो अक्टूबर से शुरू होगी। गांधी जयंती के दिन पश्चिम चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से यह यात्रा शुरू होगी।

» **दो अक्टूबर से शुरू होगी पद यात्रा**

प्रशांत किशोर ने लोगों से अपील की है कि आने वाले दस सालों में बिहार को देश के शीर्ष दस राज्यों में शामिल करने के संकल्प के साथ जन सुराज अभियान के तहत इस पदयात्रा से जुड़ें। पीके इस अभियान के माध्यम से बिहार में अब अपने लिए संभावनाओं की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि इस पद यात्रा के तीन उद्देश्य हैं। पहला है समाज की मदद से जमीनी स्तर पर सही लोगों को चिह्नित करना और उनको एक लोकतांत्रिक मंच पर लाने का प्रयास। दूसरा, स्थानीय समस्याओं और संभावनाओं को बेहतर तरीके से समझना और उनके विकास का ब्लूप्रिंट तैयार करना। तीसरा है बिहार के समग्र विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आर्थिक विकास, कृषि, उद्योग और सामाजिक न्याय जैसे 10 महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेषज्ञों और लोगों के सुझावों के आधार पर अगले 15 साल का एक विजन तैयार करना।

विपक्ष को एकजुट करने की कवायद तेज, नीतीश से मिलीं कृष्णा पटेल

» **कहा, नीतीश की विपक्षी एकता के हैं साथ**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विपक्ष की देशव्यापी एकजुटता की कोशिश के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दूसरे दिन भी दिल्ली में सक्रिय रहे। रविवार शाम मुख्यमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से भेंट की थी। वहीं सोमवार को अपना दल (कमेरावादी) की संस्थापक कृष्णा पटेल ने नीतीश से उनके दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर भेंट की। कृष्णा पटेल के पति सोने लाल पटेल के साथ नीतीश के काफी अच्छे संबंध थे। कृष्णा पटेल की चर्चा यूपी विधान सभा चुनाव के समय खूब हुई थी। उनकी पुत्री पल्लवी पटेल ने यूपी के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पराजित किया था।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद कृष्णा पटेल ने कहा कि वह उनके विपक्ष की एकजुटता की कोशिश के साथ हैं। गौरतलब है कि कृष्णा पटेल की दूसरी बेटी अनुप्रिया पटेल राजग के साथ हैं और केंद्र में मंत्री भी हैं। कृष्णा पटेल के साथ नीतीश कुमार की मुलाकात का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि जदयू ने अपने अधिकारी

ट्विटर हैंडल पर इस मुलाकात की तस्वीर को ट्वीट किया है। यूपी से आए जदयू की युवा इकाई से जुड़े कई नेताओं ने भी सोमवार को दिल्ली में मुख्यमंत्री से भेंट की। मुख्यमंत्री के प्रयास के साथ जदयू नेताओं में अपनी प्रतिबद्धता जताई। सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमाशंकर पटेल ने भी नीतीश से मुलाकात की। बिहार में भाजपा से अलग होने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार विपक्षी एकता को एकजुट करने की मुहिम में लगे हैं। राजद सुप्रीमो लालू यादव के साथ उन्होंने रविवार को सोनिया गांधी से मुलाकात की थी। उसके बाद दोनों नेताओं ने मीडिया से भी बात की। इस दौरान उन्होंने बताया था कि कांग्रेस में अभी संगठन का चुनाव है। इसके बाद फिर से हमारी सोनिया गांधी से मुलाकात होगी।

सपा के पूर्व विधायक दीप नारायण गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। सपा के पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव पर लम्बे समय से शिकंजा कस रही पुलिस ने उन्हें सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। पूर्व विधायक को पुलिस ने जिला कारागार झांसी भेजा है।

झांसी में आपराधिक मामलों में काफी हस्तक्षेप करने वाले सपा के पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गैंगस्टर को पुलिस कस्टडी से छुड़ाने के षडयंत्र के मामले में पुलिस ने दीप नारायण यादव पर शिकंजा कसा था। इस मामले में पूर्व विधायक के साथ ही चार अन्य लोगों के खिलाफ 17 सितंबर को केस दर्ज किया गया था। तीन को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन दीप नारायण झांसी से बाहर थे। उनके झांसी में रहने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उनको गिरफ्तार किया। सपा के पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव पर झांसी में दोषसिद्ध ब्लाक प्रमुख हिस्ट्रीशीटर लेखराज सिंह यादव को पुलिस कस्टडी से छुड़ाने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर षडयंत्र रचने का आरोप है। पूर्व ब्लाक प्रमुख इस समय लेखराज सिंह कन्नौज जिला जेल में बंद हैं।

डॉक्टर सनोबर ने छात्रों को दिलायी सांस्कृतिक विरासतों की रक्षा की शपथ

» **विश्व पर्यटन दिवस पर हेरिटेज वाक**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विश्व पर्यटन दिवस एवं आजादी के अमृत महोत्सव के तहत महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय के इतिहास विभाग एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता संग्राम 1857 के प्रमुख केंद्र रेजीडेंसी लखनऊ में हेरिटेज वाक का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं, शिक्षकगणों एवं भारतीय पुरातत्व सर्वे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया गया ।

इस अवसर पर विख्यात इतिहासकार एवं लेखक रवि भट्ट ने रेजीडेन्सी के इतिहास से अवगत कराते हुए स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम में इस ऐतिहासिक स्थल के महत्व की जानकारी दी। महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय के इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सनोबर हैदर ने अपनी सांस्कृतिक ऐतिहासिक स्मारकों रखरखाव एवं संरक्षण के महत्व और संवैधानिक प्राविधानों का उल्लेख करते हुए छात्रों को अपनी सांस्कृतिक विरासतों की रक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों ने छात्रों को रेजीडेंसी का भ्रमण कराते हुए विभाग के द्वारा विरासतों की रक्षा एवं संरक्षण हेतु किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और छात्रों को संरक्षण का महत्व भी बताया।

कॉलेज के शिक्षकगणों डॉ. मधुमिता एवं डॉ. राघवेंद्र मिश्र ने स्लोगन एवं फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा कराई जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्र म का समापन प्राचार्या डॉ सुमन गुप्ता के संबोधन से हुआ। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से छात्र, छात्राओं , मुख्य अतिथि रवि भट्ट एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों को महाविद्यालय की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।

कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा राजस्थान का गढ़ जीतना

» **4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजस्थान कांग्रेस में अंदरूनी कलह के चलते दो साल बाद एक बार फिर राजनीतिक संकट खड़ा हो गया है। यह स्थिति ऐसे समय बनी है जब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की नामांकन प्रकिया शुरू हो चुकी है। इसी चुनाव के चलते सचिन पायलट के लिए अगला मुख्यमंत्री बनने का दरवाजा खुला था लेकिन पार्टी के शीर्ष पद के दावेदार अशोक गहलोत की नाराजगी के कारण वह बंद होता दिख रहा है। सवाल ये उठता हैं कि राजस्थान में रायता किसने फैलाया? अशोक गहलोत ने या गांधी परिवार ने? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, डॉ. राकेश पाठक, डॉ. सुनीलम,

राजेश बादल और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

राजेश बादल ने कहा कि जो राजस्थान में अपनी अनुपस्थिति से राज्य को मजबूत नहीं कर सकता, वह शीर्ष स्तर पर क्या करेगा। इस किरकिरी के बाद कांग्रेस को राजस्थान का गढ़ जीतना आसान नहीं होगा। डॉ. सुनीलम ने कहा कि हम खुद षड़यंत्र का शिकार हुए हैं और पार्टी के अंदर षड़यंत्र चलते रहते हैं। ये जो षड़यंत्र है वे गहलोत के खिलाफ ही है। कांग्रेस खुद गहलोत को अध्यक्ष पद सौंप रही थी। हालात बिगड़ गए हैं। आगे क्या होगा देखना लायक होगा।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि राजस्थान की उठापठक राहुल गांधी को नुकसान पहुंचा सकती है। भारत जोड़ो यात्रा पर भी इसका असर दिख सकता है। बड़ी बात यह है कि कांग्रेस अपने अतीत से सीख नहीं ले रही। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र से भी नहीं जबकि गहलोत साबित करते रहे हैं। लीडरशिप में दो लोगों में अगर झंझट है तो अलग-अलग बैठकर बात करें कि हम आपको अध्यक्ष बनाना चाहते हैं और आपको सीएम वरना बात बिगड़ जाएगी। अशोक वानखेड़े भी परिचर्चा में शामिल हुए।

प्रभात हत्याकांड में टेनी को कुछ दिन राहत

» अजय मिश्रा टेनी के खिलाफ अपील पर सुनवाई टली अगली डेट 17 अक्टूबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में युवा समाजवादी नेता प्रभात गुप्ता हत्याकांड की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में होनी थी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के खिलाफ सरकार की अपील पर मंगलवार को सुनवाई टल गई। मंत्री के अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि वर्तमान अपील के स्थानांतरण सम्बंधी उनकी विशेष अनुमति याचिका पर चार सप्ताह के भीतर सुनवाई हो सकती है लिहाजा मामले में अग्रिम तिथि दी जाए।

मामले के वादी पक्ष की ओर से इसका विरोध किया गया। न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा व न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल की खंडपीठ ने मामले में अग्रिम तिथि 17 अक्टूबर नियत करते हुए, स्पष्ट किया कि अगली तिथि पर एसएलपी के मात्र लंबित रहने के आधार पर सुनवाई को टाला नहीं जाएगा। सुनवाई के दौरान मंत्री

व वादी के अधिवक्ताओं के बीच कई बार तीखी नोक झोंक की स्थिति भी उत्पन्न हुई। गौरतलब है कि 8 जुलाई साल 2000 को लखीमपुर के तिकुनिया क्षेत्र के बनवीरपुर गांव में प्रभात गुप्ता की हत्या हुई। प्रभात गुप्ता मर्डर केस में पिता संतोष गुप्ता ने मौजूदा समय में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के साथ शशि भूषण, राकेश डालू और सुभाष मामा को हत्या में नामजद आरोपी बनाया। आरोप लगाया गया कि प्रभात गुप्ता को दिन दहाड़े बीच रास्ते में पहली गोली अजय मिश्रा ने उसकी कनपटी पर मारी और दूसरी गोली सुभाष मामा ने प्रभात के सीने में मारी थी, जिसके बाद प्रभात गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। बता दें कि प्रभात गुप्ता हत्याकांड केस की पैरवी कर रहे उनके छोटे भाई राजीव गुप्ता कहते हैं कि बीते 16 मई को ही कोर्ट को इस मामले में फैसला सुनाना था।

2004 से जमानत पर है चारों आरोपी

प्रभात गुप्ता हत्याकांड में चार लोग नामजद हैं। जिसमें मुख्य आरोपी अजय मिश्रा टेनी भी हैं। इन सभी को लोअर कोर्ट से बरी कर दिया गया था। 2004 में केस की सुनवाई हाईकोर्ट में हो रही है। 2004 में ही इन्हें जमानत मिल गई थी। तभी से चारो आरोपी जमानत पर हैं। प्रभात हत्याकांड की अंतिम सुनवाई आज है। इससे पहले टेनी की जमानत याचिका निरस्त करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका डाली गई है। बताते चले कि अंतिम फैसला सुनाने के लिए अब तक 6 डेट पड़ चुकी है लेकिन कोर्ट अभी तक फैसला नहीं सुना पाया है।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों के समर्थन में उतरे अमिताभ ठाकुर

» बोले, आपकी आवाज कोर्ट में उठाएंगे, अब डरने की जरूरत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों के समर्थन में अब पूर्व आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर भी आ गए हैं। फीस वृद्धि के विरोध में छात्र 22 दिनों से अनशन पर बैठे हैं, लेकिन अभी तक उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। अब उनकी मदद के लिए अमिताभ ठाकुर खुद प्रयागराज आ पहुंचे। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के छात्रों की आवाज अब हम कोर्ट में उठाएंगे। छात्रों को पूरे साक्ष्य के साथ यह लड़ाई लड़नी होगी। छात्रों को डरने की जरूरत नहीं, अब उनके समर्थन में हम हैं।

उन्होंने कहा कि जब मुझे पता चला कि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में 400 फीसदी फीस वृद्धि की गई है। छात्र आवाज उठा रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही है। ऐसे में वह यहां आकर छात्रों से बातचीत किए। उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी लड़ाई अब अमिताभ ठाकुर लड़ेंगे। छात्रों से पूरे प्रूफ मांगे हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की ओर से यह तो सरासर गलत किया गया है। छात्रहित को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन को फीस कम करना होगा।

अमिताभ ने कहा कि पहले तो मैं कुलपति से मिलूंगा। हमें विश्वास है कि जो 400 फीसदी फीस बढ़ाई गई है, उसे कम किया जाएगा। यदि ऐसा नहीं होता है तो इन छात्रों की आवाज कोर्ट तक ले जाएंगे और उन्हें न्याय दिलाएंगे। बातचीत की तो पता चला कि छात्रों को परेशान किया जा रहा है। उनके परिवार को धमकी दी जा रही है कि वह अपने बेटे का वापस घर बुला लें। झूठा मुकदमा लादा गया। यह गलत है। हमने छात्रों से कहा है कि उनके साथ जो भी हो रहा है उसका साक्ष्य जरूर जुटाएं। अमिताभ ने कहा कि हमारी पांच प्रमुख मांगें हैं जो विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने रखूंगा। जो फीस वृद्धि हुई है उसे तत्काल वापस लिया जाय। अपनी आवाज उठाने वाले छात्रों पर जो फर्जी एफआईआर दर्ज किए गए हैं वह वापस लिए जाएं। जिन्होंने यह गलत एफआईआर दर्ज कराई है, उन्हें चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। छात्रों और उनके परिवार को दी जाने वाली धमकियां बंद कराई जाएं।

हर वर्ष राजू श्रीवास्तव के नाम पर दिए जाएंगे पुरस्कार

» लोगों ने राजू के किस्से सुनाए और उनका याद किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश साहित्य सभा और अवधी विकास संस्थान की ओर से हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान अवधी विकास संस्थान की ओर से प्रतिवर्ष राजू के नाम पर एक पुरस्कार की घोषणा की गई।

वहीं उप्र साहित्य सभा की ओर से लंतरानी पुरस्कार राजू को समर्पित होगा। अवध ज्योति का विशेषांक भी राजू पर निकाला जाएगा। पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ.

दिनेश शर्मा ने राजू श्रीवास्तव से जुड़े कई संस्मरण सुनाए। एमएलसी मुकेश शर्मा ने राजू को विश्व का सबसे बड़ा मौलिक हास्य कलाकार बताया तो स्नातक एमएलसी अवनीश सिंह ने शोक पुस्तिका में अपने उद्गार व्यक्त किए। सर्वेश अस्थाना के संचालन में मुकेश बहादुर सिंह, विनोद मिश्र, महर्षि संस्थान के प्रबंधक अनूप श्रीवास्तव, राजेश अग्रवाल, अनिल टेकरीवाल, मनोज लाल, सुशील श्रीवास्तव, संगम बहुगुणा, नवल शुक्ल, डॉ. लवकुश आदि मौजूद थे।

औरैया में शिक्षक की पिटाई से दलित छात्र की मौत पर मायावती ने मांगा इंसाफ

» बसपा प्रमुख बोली, कार्रवाई करे योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के औरैया जिले में शिक्षक की पिटाई से दलित छात्र की मौत पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने इंसाफ मांगा है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि औरैया में शिक्षक की पिटाई से दलित छात्र की मौत पर सरकारी उदासीनता व लापरवाही का मामला काफी तूल पकड़ता जा रहा है। इंसाफ व उचित कार्रवाई के अभाव में लोग काफी आक्रोशित हैं। सरकार ऐसे संगीन मामलों को रफादफा करने के बजाय तुरन्त प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

मायावती ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यूपी में दलितों, गरीबों, मजलूमों व अल्पसंख्यकों आदि के साथ-साथ महिलाओं की असुरक्षा का मामला भी काफी चर्चाओं में है। महिला पुलिसकर्मियों के विरुद्ध थाना में शोषण व अन्याय की खबरें भी लगातार सुर्खियों में हैं, जो सरकार के कानून-व्यवस्था के दावे को गलत साबित करती हैं। अछल्दा के बसोली गांव निवासी राजू सिंह दौरे का 15 साल का बेटा निखिल आदर्श इंटर कॉलेज में कक्षा 10वीं का छात्र था। सात सितंबर को सामाजिक विज्ञान के शिक्षक अश्वनी सिंह ने टेस्ट में गलतियां होने पर लात-घूसों से पीटा था। इससे वह क्लास में बेहोश हो गया था। गंभीर होने पर परिजन उसे इलाज के लिए सैफई मेडिकल कॉलेज ले गए थे। सोमवार भोर उसकी मौत हो गई। शिक्षक के खिलाफ पहले से दर्ज मामले में गैर इरादतन हत्या की धारा बढ़ा दी गई और गिरफ्तारी के लिए टीमें बनाई गईं।

रोमी साहनी ने चकबंदी अधिकारी की जमकर लगाई क्लास

पलिया विधायक ने कहा- गरीबों के हक के लिए मैं लड़ूंगा, बेवजह नोटिस भेजकर परेशान न करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पलिया विधायक रोमी साहनी ने चकबंदी अधिकारी गुप्ताजी की जमकर क्लास लगाई है। साथ ही अपने क्षेत्र की तहसील में काम करने वाले अधिकारियों को नसीहत दी है कि ग्रामीणों की हर समस्या का समाधान किया जाए। योगी सरकार की योजनाओं का लाभ हर वंचित वर्ग को दिए जाए ताकि गांव-गांव विकास हो सके।

विधायक रोमी साहनी का कहना है कि योगी सरकार जहां गरीबों को बसाने का कार्य कर रही है तो वहीं कुछ अधिकारी भाजपा व योगी सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। 100 सालों से बसे ग्रामीणों का घर उजाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। वे चकबंदी विभाग के द्वारा निर्धन ग्रामीणों को भेजे गए नोटिस को लेकर खासे नाराज है। रोमी साहनी ने बताया कि उनके क्षेत्र में करीब 25 गांवों के 50 हजार से ऊपर ग्रामीणों को चकबंदी विभाग के द्वारा नोटिस भेजा गया है। यह नोटिस वन विभाग की कड़ी में भेजा गया है कि 100 सालों से बसे ग्रामीणों को बेघर करने का है। जो कि पूरी तरह गलत है। नोटिस मिलने से ग्रामीण परेशानी में हैं। क्षेत्र का विधायक होने के नाते मैं अक्सर गरीबों की मदद करता रहता हूं। मगर यहां पर पीएम मोदी व योगी सरकार की योजनाओं का लाभ कुछ एक लोगों को नहीं मिल पा रहा, जिसके लिए विभागीय अधिकारी दोषी है। उन्होंने दो टूक कहा कि विभाग की हर योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिले, नहीं तो दोषी अधिकारियों की शिकायत उच्च स्तर पर की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीणों को नोटिस देने के मामले में उन्होंने चकबंदी अधिकारी को लंबी फटकार लगाई हैं कि पहले मौका मुआयना करें। पूरे मामले की तह से जांच हो, इसके बाद ही नोटिस भेजा जाए। रोमी ने कहा कि अगर वन विभाग ने अपने जमीन का चेकआउट किया है तो पहले सरकार को जानकारी दें। बेवजह ग्रामीणों को परेशान न करें। यही नहीं नोटिस देने से पहले उनके पुनर्वास करने की योजना बनाए। कई दशकों से रह रहे लोगों को परेशान न किया जाए। रोमी साहनी ने कहा कि अगर विभाग ने उनकी बात नहीं सुनी तो वे इसकी शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से करेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, स्थानीय संपादक - सूर्यकांत त्रिपाठी*, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।